regularising the period of absence of regular government employees by grant of leave as due and admissible. In respect of ED agents, mode of determing the period of absence due to the Postal strike willl be decided after Government's decision on the implementation of the recommendations of Justice Talwar Committee.

TV Coverage in Gujarat

*79. SHRI AHMED PATEL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have undertaken the work for expansion of TV coverage in Gujarat, particularly, in those areas which do not receive TV telecast;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether different projects are underway for this purpose; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI MUKHTAR NAQVI): (a) to (d) Yes, Sir. Besides augmentation of power at High Power Transmitter (HPT), Bhuj, HPTs at Vadodra and Surat, Low Power Transmitters (LPTs), at Rajula, Khambhalia, Umargaon, Modasa, Lunawada, Jamjodhpur, Rajpipla and Vyara are, at present, under various stages of implementation.

India's relations with South Africa

*80. SHRI S.M. KRISHNA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item captioned "PMO mishandling relations with South Africa" which appeared in The Hindustan Times, dated the 3rd November, 1998;

(b) if so, Government's reaction thereto;

(c) whether it is a fact that there is no policy planning forum in his Ministry; if so, the reasons for keeping the forum defunct for such a long time ignoring all diplomatic norms; and

(d) what results have been achieved after the Prime Minister's visit to South Africa, recently, particularly in strengthening diplomatic relations with their country strongly opposed to nuclear tests of India?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SOMPAL): (a) Yes, Sir.

(b) There has been no mishandling of relations with South Africa.

(c) There is a fully functional, Policy Planning Division in the Ministry of External Affairs and steps are being taken to further strengthen it.

(d) The visit to South Africa was in the context of XII Non-Aligned Summit at Durban on September 2-3, 1998. The visit offered an opportunity to interact with the leadership of South Africa and to explain to them the retionale of India's nuclear tests. Nuclear disarmament continues to be an important element in India's foreign policy and this issue has been discussed with the South African side. Following the Prime Ministerial visit, there have been important visits at significant levels between the two countries covering a wide segment of our bilateral relations. Several high level visits are also due to take place in the near future, which will further strengthen bilateral relations. The Indo-South Africa Joint Commission is scheduled to meet in South Africa on December 4-5, 1998.

WRITTEN ANSWERS TO UNSTARRED QUESTIONS

आलू और प्याज के उत्पादन में गिरावट

466. श्री बलवंत सिंह रामूवालिया:
श्री कपिल सिब्बल:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गत कुछ वर्षों से देश में आलू और प्याज का उत्पादन निरंतर कम होता जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1995-96, 1996-97 और 1997-98 के दौरान रबी और खरीफ की फसलों के उपरोक्त उत्पादों का कितनी-कितनी मात्रा में उत्पादन हुआ है;

(ग) क्या उपरोक्त वर्षों के दौरान उक्त उत्पादों की औसत उत्पादन दर में भी कमी आई है; और

(घ) यदि हां, तो प्रत्येक में कितनी-कितनी कमी आई है और प्रत्येक वर्ष के दौरान प्रत्येक फसल मौसम में कितनी-कितनी भूमि पर आलू और प्याज की बुआई की गई थी?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल): (क) जी, नहीं। आलू और प्याज के उत्पादन में सामान्य रूप से वर्ष प्रति वर्ष वृद्धि होती रही है तथा 1996-97 में रिकार्ड उत्पादन हुआ है। फिर भी, 1997-98 के दौरान प्रतिकूल सस्य-जलवायवी परिस्थितियों की वजह से उत्पादन में कमी आई।

(ख) प्याज और आलू का अखिल भारतीय सरकारी अनुमान का मौसमवार परिकलन नहीं किया जाता है। फिर भी, पिछले तीन वर्षों के दौरान प्याज और आलू के कुल उत्पादन का प्राक्कलन निम्नलिखित है:—

(मिलियन मी० टन)

वर्ष	प्याज	आलू
1995-96	4.08	18.84
1996-97	4.43	25.07
1997-98*	3.68	19.20

*अग्रिम प्राक्कलन

(ग) और (घ) वर्ष 1997-98 में प्याज और आलू के क्षेत्र तथा उत्पादकता में कमी आई। वर्ष 1995-96, 1996-97 तथा 1997-98 के लिए प्याज तथा आलू के क्षेत्र तथा पैदावार के प्राक्कलन नीचे सारिणी में दिए गए हैं:—

क्षेत्र — मिलियन हैक्टे०
उपज — कि० ग्राम प्रति हैक्टे०

वर्ष	प्याज		आलू	
	क्षेत्र	उपज	क्षेत्र	उपज
1995-96	0.40	10316	1.11	16991
1996-97	0.41	10810	1.31	19176
1997-98*	0.39	9436	1.20	16000

*अग्रिम प्राक्कलन

कटी हुई फसल से अनाज

467. **श्री बलवंत सिंह रामूवालिया:**
श्री बग्गिन्दर सिंह:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि इस समय देश में फसलों के कटने के बाद अनाज प्राप्त करने की जो विधि अपनाई जा रही है उसके कारण भारी मात्रा में खाद्यान्नों को हानि पहुंचने का अनुमान है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस संबंध में कोई आकलन किया है;

(ग) यदि हां, तो इस हानि के संबंध में क्या आकलन है;

(घ) क्या सरकार ने उपर्युक्त हानि को रोकने के लिए किसानों द्वारा अपनाए जाने के लिए किसी नई तकनीक पर विचार किया है; और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में विस्तृत ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल): (क) जी, हां।

(ख) और (ग) केन्द्रीय कटाई-पश्चात इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने अनाजों के लिए कटाई-पश्चात हुई हानियों का अनुमान 10—12 प्रतिशत लगाया।

(घ) और (ङ) कटाई-पश्चात होने वाली हानियों को कम करने की दृष्टि से नई प्रौद्योगिकियां और उपकरण विकसित किए गए हैं और इनको प्रशिक्षण, प्रदर्शन आयोजित करके एवं प्रचार के माध्यम से लोकप्रिय बनाया गया है। ग्रेशरों, क्लीनरों, ग्रेडरों, शेलरों और डिकोर्टिकेटरों की खरीद के लिए किसानों को वित्तीय प्रोत्साहन भी उपलब्ध हैं।